



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 10, 1974 (श्रावण 19, 1896)  
No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 10, 1974 (SRAVANA 19, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011. दिनांक जून 1974

सं० ए० 38013/1/73-प्रशा०III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय मन्त्रिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी महायुक्त तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी, श्री ए० के० धर, को, वार्डक्यू निवृत्ति आयु को प्राप्त होने पर, राष्ट्रपति द्वारा, 31 मई, 1974 के अपराह्न से कार्मिक विभाग के का० भा० सं० 33/12/73-स्थापना (ए) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अधीन, सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

दिनांक 10 जुलाई 1974

सं० 32013/1/74 प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय मन्त्रिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जी० पी० बिज को राष्ट्रपति द्वारा 29-5-1974 से 28-8-74 तक तीन मास की अवधि के लिए या किसी नियमित अधिकारी के कार्यभार ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत,  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

कार्यालय, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली 11, दिनांक

सं० 25/71/72-आर० जी० (ए० डी०I)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/71/72 आर० जी० (ए० डी०I) दिनांक 7 दिसम्बर, 1972 को जारी रखते हुए राष्ट्रपति श्री जे० एन० जुत्सी को जम्मू एवं कश्मीर के जन गणना निदेशक एवं पदेन जनगणना अधिक्षक के पद पर पुनः नियुक्ति को 19 अक्तूबर, 1975 तक की और अवधि के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

रा० भ० शारी,  
भारत के महापंजीकार एवं पदेन  
संयुक्त सचिव

#### महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली 110001 दिनांक, 6 मई 1974

सं० 4/63/74-स्थापना-I श्री लक्ष्मण सिंह ने, सरकारी सेवा से निवृत्त किए जाने पर, 54 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप पुलिस अधिक्षक (कम्पनी कमांडर) के पद का कार्यभार 28-1-74 अपराह्न को त्याग दिया।

II श्री दीप कुमार ने, सरकारी सेवा में निलम्बित किये जाने पर, 47 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उप पुलिस अधिक्षक (कम्पनी कमांडर) के पद का कार्यभार 10-2-74 पूर्वाह्न को त्याग दिया।

दिनांक 1, जून 1974

सं० ओ० II-929/73-स्था—डाक्टर परासन्त कुमार मोहनती ने उनके त्यागपत्र के स्वीकृत होने पर 38 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद का त्याग 27 अप्रैल 1974 अक्षयतुलसी में कर दिया।

दिनांक 4 जून, 1974

सं० एफ० 3/1/74-स्था—राष्ट्रपति श्री एन० रामचन्द्रन, उप पुलिस अधिक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वाटर मास्टर) को तदर्थ रूप में अगले आदेश तक सहायक कमांडेंट के पद पर पदोन्नत करने है।

श्री एन० रामचन्द्रन उप पुलिस अधिक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वाटर मास्टर) ने तदर्थ रूप में सहायक कमांडेंट की पदोन्नति पर ग्रुप सेक्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, रामपुर में सहायक कमांडेंट का कार्यभार 15 मई, 1974 (पूर्वाह्न) को संभाल लिया।

दिनांक 14 जून 1974

सं० ओ० II-942/73-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर देवारनजन मिसरा को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर देवारनजन मिसरा को 46 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल रामपुर में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 4 मई 74 पूर्वाह्न में संभाल लिया है।

सं० ओ० II-900/73-स्था—डाक्टर विशु चरन ने ने उनके त्यागपत्र के स्वीकृत होने पर 32 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद का त्याग 27 मई पूर्वाह्न 1974 में कर दिया

(एस० एन० माथुर)  
सहायक निदेशक प्रशासन।

### वित्त मंत्रालय

#### [अर्थ विभाग]

#### भारत प्रतिभूति म्यूचुअल

दिनांक 9 जुलाई 1974

सं० 1932/ए—डा० (श्रीमती) अनुपमा चन्द्रकांत आवल-गांवकर जिनकी मूल नियुक्ति अवर चिकित्सा अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति म्यूचुअल अस्पताल, नासिकरोड में 20-11-69 से तदर्थ रूप में पहली बार तीन महीने के लिये हुई थी और बाद में अधिसूचना सं० 4923/ए दिनांक 14-1-74 के अनुसार दिनांक 30-6-74 तक के लिये सेवा जारी रखी गई आगे इसी तरह

31-12-74 तक काम करती रहेगी अथवा उस समय तक यदि इसके पूर्वहि कथित पद की पूर्ति (केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति से कर दी जाये।

वि० ज० जोशी  
महा प्रबंधक

### भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

#### भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1974

सं० 629-सीएआई/8-72—उनके फॉटोलाईजर कारपोरेशन आफ इन्डिया लि० में स्थायी रूप में रख लिये जाने का कारण अपर उपनियंत्रक महालेखा परीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री ए० सीतारामा राव एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को सरकारी सेवा में त्यागपत्र 17 जून, 1974 (पूर्वाह्न) में स्वीकार कर लिया है।

मुणील देव भट्टाचार्य,  
उप नियंत्रक (वाणिज्यिक)

### कार्यालय : महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली-1 दिनांक 6 जुलाई 1974

सं० प्रशामन 1/5-5/पदोन्नति/74-75/800—श्रीमान महा-लेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के श्री पी० सी० गुप्ता, स्थायी अनुभाग अधिकारी को लेखा अधिकारी के पद पर समय वसंतमान सं० 840-1200 में 12-6-74 (पूर्वाह्न) में आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

### कार्यालय महालेखाकार राजस्थान

जयपुर, दिनांक 12 जुलाई 1974

सं० ओ० टी०-2—महालेखाकार कार्यालय राजस्थान के निम्न लिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके आगे दी हुई नियुक्तियों से अप्रति आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारियों के रूप में नियुक्त किया जाता है।

क्रमांक	नाम	तिथि जब से स्थानापन्न लेखाधिकारी किया गया
1	श्री अब्दुल हलीम	18-6-74 (अपराह्न)
2	श्री मिरहमन जैन	18-6-74 (अपराह्न)

बलदेव राय,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)  
राजस्थान जयपुर

**रक्षा लेखा विभाग**

**कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक**

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1974

सं० 40011(2)/74-प्रशा०-ए-वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेशन-स्थापना को अन्तरित किया जाएगा :—

क्रम	रोस्टर संख्या	ग्रेड	पेशन-स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
संख्या सहित नाम				
सर्व श्री—				
1. बी० एम० एल० म्हायी लेखा दण्डा (पी/22) अधिकारी		स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु-सेना), देहरादून
2. के० एन० जानकी रामन (पी/310)		स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-74 (अपराह्न)	यथोपरि
3. सी० पी० शर्मा (पी/436)		स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-74 (अपराह्न)	यथोपरि
4. सी० एल० सच्चर (पी/445)		स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-74 (अपराह्न)	यथोपरि
5. के० एम० संकरनाथयणन (पी/629)		स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-74 (अपराह्न)	यथोपरि

एम० के० सुन्दरम्,  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

**अभ्युनिशन डिपो डूसाईडिंग**

दिनांक 11 जुलाई 1974

सं० 6530/VIII/775/HQ—निम्नलिखित अधिकारी उनके नाम के सामने दी हुई दिनांक से नौकरी से निवृत्त हुए :—

आर्डनेंस अधिकारी मिर्विलियन (मंजूर) श्री एन० एल० ठाकुर स्थायी अभ्युनिशन डिपो देहरोड़ नौकरी से निवृत्त हुए :—  
1 जून 1974 (पूर्वार्ध)

**श्रम एवं नियोजन मंत्रालय**

**कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था**

जगजीवन नगर, दिनांक जून 1974

सं०-प्र० 13(96) सा०/74—वर्गचारी राजकीय बीमा विभाग, दिल्ली के अधीन नियुक्ति के लिए चुने जाने के पलस्वरूप

डा० (कुमारी) मीरा हजेला ने, जो कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के अधीन केन्द्रीय अस्पताल, धनबाद में कनिष्ठ चिकित्सक अधिकारी (तदर्थ) के पद पर थी, 7 जून, 1974 के अपराह्न में अपना कार्यभार त्यागा।

आर० पी० सिन्हा,  
कोयला खान कल्याण आयुक्त  
धनबाद।

**श्रम ब्यूरो**

शिमला-4 दिनांक 10 अगस्त 1974

नं० 23/3/74-सी० पी० आई०—जून 1974 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960-100) मई स्तर से सात अंक बढ़ कर 301 (तीन सौ एक) रहा। जून 1974 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 366 (तीन सौ छियासठ) आता है।

एस० सोमा सुन्दरम अय्यर,  
उपनिदेशक  
श्रम ब्यूरो, शिमला

**कृषि मंत्रालय**

**कृषि विभाग**

**वनस्पति रक्षण संगरोध तथा संवर्धन, निदेशालय**

फरीदाबाद, दिनांक जुलाई, 1974

सं० एफ० 17-85/72-प्रशा० 3—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 तथा केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) संशोधन नियम 1971 के नियम 5 के उप-नियम (I) के अनुसरण में एतद्वारा वनस्पति रक्षण संगरोध तथा संवर्धन निदेशालय के अधीनस्था कार्यालय के अस्थायी चौकीदार श्री राम अवतार शर्मा को नोटिस देता हूँ कि उनकी सेवाएं इस नोटिस के देने के एक महीने की अवधि की समाप्ति से, जैसा भी मामला हो, समाप्त समझी जाएगी।

सं० एफ० 17-4/73-प्रशा० 3—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 तथा केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) संशोधन नियम, 1971 के नियम 5 के उप-नियम (I) के अनुसरण में, मैं एतद्वारा वनस्पति रक्षण संगरोध तथा संवर्धन निदेशालय के अधीनस्थ कार्यालय के अस्थायी चौकीदार श्री एम० पी० वेडान्डे को नोटिस देता हूँ कि उसकी सेवाएं इस नोटिस के देने के एक महीने की अवधि की समाप्ति से जैसा भी मामला हो, समाप्त समझी जाएगी।

बी० एल० मनिहार,  
मुख्य प्रशासन अधिकारी

**विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय**  
(सामुदायिक विकास और सहकारिता विभाग)

फरीदाबाद, दिनांक जुलाई, 1974

सं० फाइल 4-6(11)-74 प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री जी० के० पालन को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन नई दिल्ली में दिनांक 5 जून, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग II, नियुक्त किया गया है।

सं० फाइल 4-5(17)-74 प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री करम पाल सिंह भट्टी, को दिनांक 31 मई, 1974 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक नागपुर में स्थानापन्न विपणन विकास अधिकारी (शीत भंडार) नियुक्त किया गया है।

दिनांक, 16 जुलाई 1974

सं० फाइल 4-4(5)-74 प्र० I—श्री राम नारायण मेहरोत्रा, विपणन अधिकारी, वर्ग-I, फरीदाबाद को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन पटना में दिनांक 25 जून, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न उप-वरिष्ठ विपणन अधिकारी, वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

सं० फाइल 4-5(4)/74 प्र०-I—श्री एस० आर० पटेल, विपणन अधिकारी, वर्ग प्रथम को इस निदेशालय में अहमदाबाद में दिनांक 7 जून, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न उप-वरिष्ठ विपणन अधिकारी वर्ग प्रथम नियुक्त किया गया है।

सं० फाइल 4-5(18)-74 प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री रमेश लाल श्रवर् को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन लखनऊ में दिनांक 23 अप्रैल 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन विकास अधिकारी (शीत भंडार) नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव,  
कृषि विपणन सलाहकार,

**स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय**

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 6-18/73एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली के कार्यालय अधीक्षक श्री काली चरण शांडिल्य को 30 मई, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में स्टोर अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 20-22/73एस-1—राष्ट्रपति जी ने डा० असित रंजन राय को 7 मई, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भंडार भद्रास की जीवविज्ञान प्रयोगशाला और पशुशाला में सहायक निदेशक (भेषजगुणविज्ञान) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० 11-3/74एडमिन-1 (बी०)—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जी० पंचापकेशन को निम्नलिखित अवधियों के लिए केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

(1) पहली मार्च, 1974 पूर्वाह्न से 19 मार्च, 1974 अपराह्न तक।

(2) 21 मार्च, 1974 पूर्वाह्न से 31 मई, 1974 अपराह्न तक।

राष्ट्रपति जी ने श्री जी० पंचापकेशन को उपर्युक्त अवधियों के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

सं० 11-3/74एडमिन-1 (सी०)—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री कृष्ण चन्द्र मिश्र को पहली मई, 1974 पूर्वाह्न से 31 मई, 1974 अपराह्न तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति जी ने श्री कृष्ण चन्द्र मिश्र को उपर्युक्त अवधि के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1974

सं० 41-82/73-डी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री इन्द्रजीत सहगल को 2 जुलाई, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उत्तरी खण्ड में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के गाजियाबाद स्थित केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के कार्यालय में अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

पी० एस० रामचन्द्रन,  
औषधि नियंत्रक (भारत)  
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

**भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र**

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक जुलाई 1974

सं० एस०/727/डी० आर०पी०/स्थापना-III—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, 22-6-1974 को श्री इन्द्रजीत शर्मा, स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस० बी० की मृत्यु पर खेद प्रकट करते हैं।

सी० जे० जोसेफ  
उप-स्थापना अधिकारी

**पर्यटन और नागर बिमानन मंत्रालय****भारत मौसम विज्ञान विभाग**

नई दिल्ली 3, दिनांक 15 जुलाई, 1974

सं० ई(1) 05941—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली कार्यालय के श्री ए० डी० आर्य, व्यवसायिक सहायक को 15 मई, 1974 के पूर्वानुमान से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री ए० डी० आर्य स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किए गए हैं।

सं० ई(1) 05501—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्द्वारा वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के श्री बी० बी० सिंह, व्यवसायिक सहायक, को 15 मई, 1974 के पूर्वानुमान से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री बी० बी० सिंह स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई (1) 04248—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्द्वारा निदेशक, उपकरण, पूना कार्यालय के श्री पी० आर० नायर, व्यवसायिक सहायक, को 17 जून, 1974 के पूर्वानुमान से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री पी० आर० नायर स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक उपकरण, पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई (1) 06523—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्द्वारा निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र नई दिल्ली के अधीन मौसम केन्द्र, श्री नगर के श्री हमीद अली, व्यवसायिक सहायक, को 15 मई, 1974 से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री हमीद अली, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

नूतन दाम, मौसम विशेषज्ञ  
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

**केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहसालय,**

कानपुर, दिनांक, 25 जून 1974

सं० 62/74—सहायक सभाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मेरठ के कार्यालय में पदस्थापित श्री कृष्ण कुमार सोनी, स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी ने अपनी ड्यूटी का कार्यभार उसी कार्यालय में पदस्थापित श्री नन्हे नारायण माथुर, अधीक्षक (स्वर्ण) को 31-5-74 को अपरान्त सौंप दिया और वह बाद्धक्य-निवर्तन की आयु पूरी कर लेने के कारण सेवा निवृत्त हो गए।

के० एस० दलीप सिंह जी  
समाहर्ता

**केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग****(जल स्तम्भ)**

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1974

सं० क० 12017/1/72-प्रशा० पांच (भाग दो)—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-12017/1/72-प्रशा० पांच दिनांक 11 फरवरी, 1974 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग, एतद्द्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना, में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूप, के वेतनमान में आगामी तीन मास की अवधि के लिए अथवा इन पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्णता अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एच० सी० गनेशराव
2. श्री च० भुजंग राव
3. श्री के० ए० इस्माईल
4. श्री बी० के० बालकृष्ण
5. श्री डी० एम० खम्बेटे
6. श्री ए० जी० फनसालकर

के० पी० बी० मेनन, अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

**कार्यालय, आयकर आयुक्त, बम्बई नगर 1,****आय-कर राजपत्रित स्थापना**

बम्बई नगर 1, दिनांक 28 जून 1974

सं० 132—1961 के एक्ट की धारा 117 (1961 का एक्ट 43) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का पालन करते हुए, मैंने, श्री ओ० बी० कुरुविल्ला, आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1 बम्बई आयकर के निम्नलिखित निरीक्षकों को अगला आदेश जारी होने तक, उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न आयकर अधिकारी श्रेणी-2 नियुक्त किया है :—

1. श्री जे० जे० गोन्साल्वेज, निरीक्षण, सी०-1 वार्ड, बम्बई। 7-5-74 (पूर्वानुमान)।
2. श्री ए० के० धामनकर, निरीक्षक, नि० सं० आ०, प्रशा० इलाका, बम्बई। 7-5-74 (पूर्वानुमान)
3. श्री के० एल० चामरानी, निरीक्षक, हुण्डी सर्कल, बम्बई। 24-6-74 (पूर्वानुमान)।

2. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली के पत्र एफ० सं० 22-3-64 एड० 5, तारीख 25-4-1964 की शर्तों के अनुसार दो वर्षों की अवधि के लिए वे परिवीक्षा पर रहेंगे। परिवीक्षा की अवधि, यदि आवश्यकता हुई उपरोक्त अवधि के बाद बढ़ाई जा सकती है। उसी पद में उनकी पुष्टि और/या रहने देना उनके द्वारा परिवीक्षाअवधि को सफलता पूर्वक पूरा करने पर निर्भर है।

3. उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई और अंतिम तौर पर की गई है और बिना सूचना के किर्मा भी समय समाप्ति की जा सकती है।

ओ० बी० कुरुविल्ला,  
आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई, 1974

निर्देश सं० ए०एम०आर०/बी०टी०डी०/ए०पी०-953/74-75—यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4698 महीना नवम्बर, 1973 है, जो नजदीक एम० एम० डी० गज्ज स्कूल भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री त्रिपत चन्द्र पाल सपुत्र श्री लाल चन्द्र सपुत्र श्री रोलदू राम भटिंडा।

(अन्तरक)

(2) श्री बलैती राम सपुत्र श्री मुन्गी राम सपुत्र श्री शंकर दाम शीला देवी पत्नी श्री चिरंजी लाल उबवाली (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4698 महीना नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29-5-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई, 1974

निर्देश सं० ए०एम०आर०/बी०टी०डी०/ए०पी०-954/74-75—यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4642 नवम्बर, 1973 में लिखा है जो भटिडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सदा कौर माना सं० करनार सिंह भटिडा  
अब गगाना।

(अन्तरक)

(2) श्री हजर सिंह सुपुत्र श्री बख्तावर सिंह बृज लाल,  
हन्द्र जीत गपुत्रान श्री माणी राम भटिडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।  
(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में अद्योहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4642 महीना नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिडा में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29-5-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय,

अमृतसर, दिनांक 29 मई, 1974

निर्देश सं० ए० एस०आर०/बी०टी०डी/ ए०पी०-955/74-75 —यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4581 नवम्बर, 1973 में लिखा है जो बिबीवाली रोड भटिंडा में स्थित है (और इससे उपायधन अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जलोर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह (खुद) और मुख्तियार पंजाब कौर बेबा श्री करतार सिंह और बिंदर सिंह भटिंडा (अन्तरक)

(2) श्री बंता राम, ओम प्रकाश तिपर चन्द्र श्रीमती भगवन्ती मारफत आत्मा राम सुरेश कुमार पुराना सट्टा बजार भटिंडा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4581 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 29-5-1974

मोहर :



प्रकृष आर्द्धी टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/बी० टी० डी०/ए०पी०/74-75—  
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/- रुपये में अधिक है और जिसकी म० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4582 नवम्बर 1973 में लिखा है, जो ब्रिजवाल रोड बठिंडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बठिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वाचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलेखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—186 GI/74

(1) श्री जेलर सिंह पुत्र करतार सिंह (खुद) और मुखतयार पंजाब कौर बेबा करतार सिंह और बिंदर सिंह बठिंडा (अन्तरक)

(2) श्री वरन्ता राम, ओम प्रकाश, तिपरचन्द, श्रीमती भगवती मारफत आनमा राम मुरेश कुमार पुराना मटा बाजार बठिंडा।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4582 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बठिंडा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख 29 मई 1974  
मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अमृतसर, दिनांक 29 मई, 1974

निर्देश सं० ए०एम०आर०/बी०टी०डी०/ए०पी०-957/74-75  
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०  
धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4583 नवम्बर,  
1973 में लिखा है जो बिबीवाल रोड भटिंडा में स्थित है (श्रीर  
इमसे उपायध्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर, को  
पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उमसे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐंगी किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्त्रियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए मुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जेलर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह खुद और मुख्तयार  
पंजाब कोर बेवा श्री करतार सिंह और बिंदर सिंह भटिंडा  
(अन्तरक)

(2) श्री बंता राम ओम प्रकाश तिपर चन्द श्रीमती भगवन्ती  
मारफत आल्माराम सुरेश कुमार पुराना सट्टा बाजार  
भटिंडा ।

(3) जैसा कि न० 2 पर है ।  
(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है )

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।  
(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उन्नर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4583 नवम्बर, 1973  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है ।

डी० एम० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 29-6-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/बी० टी० डी०/ए० पी०-958/74-75—यन मुझे डी० एस० गुता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4584 महीना नवम्बर, 1973 है, जो बीबीवाला रोड, भटिंडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जेलर सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह खुद और जी० ए० पंजाब कोर विधवा सं० करतार सिंह और बिनंदर सिंह भटिंडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बन्ता राम, ग्रोम प्रकाश तिवर चन्द और श्रीमती भागवन्ती माफेत मैसर्ज आत्मा राम सुरेश कुमार पुगना सट्टा बाजार भटिंडा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4584 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज अमृतसर

तारीख : 29-5-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई 1974

निदेश सं० ए०एस० आर०/बी० टी० डी०/ए० पी०-959/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4563 नवम्बर, 1973 में लिखा है जो गाँव बलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री किशन सिंह गाँव बलोह कोडे पुरोबाल।

(अन्तरक)

(2) श्री तेजा सिंह, मेजा सिंह, तोता सिंह पुत्र बीर सिंह परगट सिंह, बलवन्त सिंह गुग्गन्त सिंह, पुत्र राज सिंह गाँव बलोह और गुरदेव सिंह पुत्र श्री चन्द्र सिंह गाँव सीवीड।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4563 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/बी०टी०डी०/ए०पी०-960/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4572 नवम्बर, 1973 लिखा है जो गाँव अक्कल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णतया वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री स० किशन सिंह मुख्तार  
आम करताग कौर वासी गाँव अक्कल।  
(अन्तरक)

(2) श्री तेजा सिंह, गेजा सिंह पुत्र तोता सिंह।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4572 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 29-5-1974  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे० यु० एल०/ए० पी०-961/74-75-यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7066 नवम्बर, 1973 में लिखा है जो गाँव माहल सूखेदार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री नौनिहाल सिंह मार्फत मैमर्ज यूनियर्सल लैण्ड एण्ड फाइनेंस कम्पनी (प्रा०) लिमि० दिलकुशा मार्फत जालंधर। (अन्तरक)
- (2) सर्व श्री अबनार सिंह, गुरमेज सिंह, सोहन सिंह, गुरभीत सिंह, सरूप सिंह, सुरिन्दर सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह गाँव ढामियां कलां तहसील, फिरोज़पुर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7066 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं ए० एस० आर०/जे० यू०एल०/ए०पी०-962/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7075 नवम्बर, 1973 में लिखा है जो गिविल लाइन्स जालंधर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौतपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जन सिंह पुत्र श्री स० काहन सिंह सामने ई० एच० 198 गिविल लाइन्स जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह, चतन सिंह, पुत्र काहन सिंह, अफीका-वाला ई०एच० 198 गिविल लाइन्स जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7075 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० ए०एम० गार०/जे० यू० एल०/ए० पी०-963/74-75--यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7161 नवम्बर, 1973 लिखा है जो गाँव माहल सूबेदार में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नौनिहाल सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह मार्फत मैगसे युनिवर्सल फाइनैन्स (प्रा०) लिमि०-दिलखुशा मार्केट, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरवकशीश कौर पत्नी लै० कर्नल गुरवकश सिंह श्री तेजा सिंह पुत्र श्री गुरवचन सिंह गाँव ठाकियां, बला नहमील पिल्लौर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7161 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29 मई 1974  
मोहर।



प्ररूप आई० टी० एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 8 मई, 1974

निर्देश सं० ए०एस०टी०/बी०टी०डी०/ए०पी०-952/74-75—  
यतः मुझे, डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4769 नवम्बर 1973 लिखा है जो गिल पट्टी में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री बंता सिंह पुत्र श्री नंदा सिंह पुत्र बुद्ध सिंह, गांव गिल पट्टी तहसील, भटिंडा।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह, मुखदेव सिंह पुत्र श्री बकशीश सिंह गांव गिल पट्टी तहसील भटिंडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अग्रोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अग्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4769 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 8 मई, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/एन० डी० आर०/ए० पी० 964/74-75—मतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1989 नवम्बर 1973 है, जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और मतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बाल सरूप सपुत्र श्री धिरत राम मोहल्ला धरनी नकोदर। (अन्तरक)

(2) श्री गुलजार सिंह, दर्शनसिंह सपुत्रान श्री प्रताप सिंह गाँव लिधरा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1989 नवम्बर 1973 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29 मई, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/एन० डी० आर०/ए० पी०-965/74-75 यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है। और जिस की सख्या धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख न० 1990 नवम्बर 1973 है, जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बाल मरूप सपुत्र श्री धिरत राम धरनी मोहल्ला, नकोदर। (अन्तरक)

(2) श्री अर्जुन मिह, लछमन सिंह सपुत्रान श्री प्रताप सिंह गाव लिधरा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख न० 1990 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी नकोदर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 29 मई 1974।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/एन० डी० आर०/ए०पी०-967/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2003 महीना नवम्बर 1973 है, जो नूरमहल रोड, नकोदर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(घ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रिथी दाम जैन सपुत्र श्री गुरदामल सपुत्र श्री जीवनमल नकोदर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कशमीर कौर पत्नी श्री अजीत सिंह सपुत्र हरभजन सिंह मातक अंकार सिनेमा नकोदर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2003 महीना नवम्बर को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29 मई, 1974।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निर्देश सं० अमृतसर/फिल्लौर/ए०पी०-968/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की म० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3428 महीना नवम्बर 1973 है, जा घनी पिण्ड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री माहन सिंह माहन सिंह माधु सिंह गुरनाम सिंह सपुत्रान 2 म० नत्था सिंह गाव डाडावाल श्रीमति किशन कौर विधवा म० नत्था सिंह गाव डाडावाल (अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह सपुत्र म० जोगिन्द्र सिंह सपुत्र म० लाभ सिंह गाव धनी पिण्ड मार्फत जगत सिंह सपुत्र म० सुन्दर सिंह गाव रेडू तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिष्ठाता होगा ।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3428 महीना नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० अमृतसर/फिल्लौर/ए०पी०-969/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3230 नवम्बर 1973 लिखा है जो रुका कलां में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसार, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लाभ सिंह पुत्र म० जीऊन सिंह पुत्र श्री लखन दयाल वासी रुका कलां । (अन्तरक)

(2) श्री प्यारा सिंह पुत्र स० प्रकाश सिंह पुत्र स० लाभ सिंह वासी रुका कलां । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3230 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/एन० डी० आर०/ए० पी०-966/74-75—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1869 नवम्बर 1973 लिखा है जो गांव बजुहा कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री करतार सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह बासी बजुहा खुर्द त० नकोदर। (अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह पुत्र बग्गा सिंह गांव चक्क संदल (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1869 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नकोदर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29 मई 1974।

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 29 मई 1974

निर्देश सं० अमृतसर/फिल्लौर/ए०पी०-970/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विवेक सं० 3237 नवम्बर 1973 लिखा है जो गांव माछीयां में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री नारायण सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह वामी संगनीवाला तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

(2) श्री राजिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरदीन सिंह बासी जंझियाला तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिकारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विवेक सं० 3237 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 29 मई 1974

निर्देश सं० अमृतसर/फिल्लौर/एपी-971/74-75—यतः मुझे टी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3238 नवम्बर 1973 लिखा है जो गांव माछियां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नारायण सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह वासी गांव कानीवाला तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

4—186 GI/74

(2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र सं० गुरदान सिंह वासी जडियाला तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

(3) जेमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3238 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है ।

टी० एम० गुप्ता

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर ।

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/एन०एस०/ए०पी०-973/74-75—  
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3122 नवम्बर 1973 है, जो मुकुन्दपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) कुलदीप सिंह सपुत्र सं० अमर सिंह वासी मुकुन्दपुर (अन्तरक)

(2) देवी राम सपुत्र श्री मीनू राम वासी मुकुन्दपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3122 महीना नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सूक्ष्म प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/एन०एस०/ए०पी०-974/74-75—

यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3134 नवम्बर 1973 लिखा है जो गांव मुकंदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) देवी राम पुत्र श्री मीनू राम और मुस्तार आम श्री चंदु राम पुत्र श्री बुद्ध राम वासी गांव मुकंदपुर (अन्तरक)

(2) कृष्ण लाल पुत्र श्री केदार नाथ कलाथ मचेंट, रेलवे रोड, नवांशहर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3134 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवांशहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/एन०एस०/ए०पी०-975/74-75—  
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3133 नवम्बर 1973 लिखा है जो गांव मुकंदपुर में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवागढ़ में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) देवी राम पुत्र श्री मीनू राम एन्ड मुकुनार प्राप्ति श्री चन्दु राम पुत्र श्री बुद्ध राम वासी गांव मुकंदपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम लता पत्नी श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री केदार नाथ मार्फत श्री कृष्ण लाल कलाथ मर्चेट रेलवे रोड, नवागढ़। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्, है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने अक्षेप ऐसा किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3133 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवागढ़ में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० ए०एम०आर०/एन०एम०/ए०पी०-976/74-75—  
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2993 नवम्बर 1973 है, जो रेलवे रोड, बंगा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवाशहर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा लिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डोगर राम सपुत्र श्री लाल जो राम सपुत्र श्री स्वर्ण राम, बना (अन्तरक)

(2) श्री राम सरूप, मनोहर लाल, शाम सुन्दर, परमोद कुमार सपुत्र श्री खरैती राम सपुत्र श्री ब्रिशन दास मार्फत राम प्रकाश खरैतीराम सीमेंट मर्चेन्ट रेलवे रोड बना (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एन०एम०आर० कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2993 महीना नवम्बर 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवाशहर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ- (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/पी०एच०एल०-/ए०पी०-972/74-  
75—यतः मुझे डी० एम० गुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3275  
नवम्बर 1973 लिखा है जो गोरया में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय गोरया में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) गुरदियाल सिंह पुत्र श्री काबल सिंह गौरया ।  
(अन्तरक)

(2) गुलजार राम पुत्र श्री चानन राम गांव जंड तहसील  
फिल्लौर । (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (यह व्यक्ति  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यावहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3275 नवम्बर 1973  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है ।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1970

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## विज्ञापन सं० 32

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु-सीमाओं के अंतर्गत होती चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूत-पूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्री-लंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रजनन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिमजातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों में मुख्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारम्भिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, में प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करने समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23 x 10 सें० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट सहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उम पद का नाम लिखा होना चाहिए, जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रजनन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को माक्षा-त्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 9 मितम्बर, 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 23 मितम्बर, 1974) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 12 का पद स्थायी है। क्रम-संख्या 6, 9 के पद तथा क्रम-संख्या 18 का एक पद स्थायी है किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 4 का पद स्थायी है किन्तु नियुक्ति धारणाधार रिक्ति पर की जाएगी। क्रम-संख्या 2, 3, 5,

8, 10, 11, 15, 16, 17, 19, 20, 22 और 23 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 1 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके दीर्घकालीन आधार पर चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 7 का पद अस्थायी है किन्तु उसके नियमित आधार पर बने रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 14 का पद अस्थायी है किन्तु उसके चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 13 का पद, क्रम-संख्या 18 के तीन पद तथा क्रम-संख्या 21 का पद अस्थायी हैं।

क्रम-संख्या 5 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 19 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है किन्तु यदि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों का कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता है तो उसे अन्तर्गत समझा जाएगा। क्रम-संख्या 16 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अन्तर्गत समझा जाएगा। क्रम-संख्या 17 का एक पद अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा। क्रम-संख्या 18 का एक पद, क्रम-संख्या 22 के छह पद तथा क्रम-संख्या 28 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम-संख्या 7 तथा 9 के पद और क्रम-संख्या 22 के तीन पद अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके लिए केवल वे ही आवेदन करें।

1. दो (एक प्रत्याशित सहित), अतिरिक्त विधि सलाहकार, विधि कार्य विभाग, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय। वेतन :—रु० 1600-100-2000। योग्यताएं : अनिवार्य :— किसी राज्य न्याय सेवा का कम से कम तेरह वर्ष सदस्य रहा हो। अथवा किसी राज्य सरकार के विधि विभाग में कम से कम तेरह वर्ष किसी उच्च पद पर रहा हो। अथवा केन्द्रीय सरकार का कर्मचारी हो, जिसे विधि कार्य का कम से कम तेरह वर्ष का अनुभव हो।

2. तीन अनुदेशक, चीनी भाषा, आर्मी एजुकेशन को प्रशिक्षण महाविद्यालय तथा केन्द्र, पश्चिमड़ी, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 1300-60-1600। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था में चीनी भाषा में डिग्री या समकक्ष योग्यता तथा चीनी भाषा के अध्यापन का कम से कम पंच वर्ष का अनुभव। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था में चीनी भाषा में डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता तथा चीनी भाषा के अध्यापन का कम से कम 7 वर्ष का अनुभव। (iii) चीनी भाषा में द्विभाषित या डिप्लोमा तथा साथ से कम से कम 7000 मूल लिपि-चिन्हों का ज्ञान।

3. एक प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, नौ-भौतिक एवं समुद्र-विज्ञान प्रयोग-शाला, कोचीन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1200-100-1500। आयु :—वरीयतः 4, 5 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) ध्वनिकी (है (Acoustics) /पारस्वानिकी (Ultrasonics) में

विशेषज्ञता सहित भौतिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री। (ii) ध्वनिकी/पारम्परिकी में लगभग 6 वर्ष का अनुभव जिसमें 3 वर्ष किसी दायित्वपूर्ण प्रणामकीय तद्विषय में हों।

4. एक वनस्पतिरक्षण अधिकारी (कीट विज्ञान), कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग), वनस्पतिरक्षण, संगरोध और भाण्डार निदेशालय। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रोज़े-35-880-40-1000-द० रोज़े-40-1200। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में प्राणिविज्ञान या कृषि प्राणिविज्ञान में एम० एम०सी० डिग्री या कृषि विज्ञान में बी० एम०सी० डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) वनस्पति रक्षण-सार्व, कीटनाशक, दवाओं, वनस्पतिरक्षण मशीनों एवं उनके उपयोग का, वरीयतः इस क्षेत्र में अनुसंधान के कुछ अनुभव सहित, एम० एम०सी० डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए लगभग 2 वर्ष का अनुभव तथा बैचलर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (iii) कृषि महत्व के कीटों का प्रकट ज्ञान।

5. दो विपणन अधिकारी (ग्रुप II), विपणन तथा निरीक्षण निदेशालय। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रोज़े-35-880-40-1000-द० रोज़े-40-1200। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में पशुधन विज्ञान में डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) पशुधन तथा पशुधन उत्पादों के विपणन के क्षेत्र में लगभग 2 वर्ष का अनुभव जिसमें सहकारी विपणन सम्मिलित हों।

6. भूगोल का एक मास्टर, राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालेज वेहराबून, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रोज़े-25-500-30-680 (परिशोधनाधीन)। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में भूगोल में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) अध्यापन में डिग्री या डिप्लोमा या किसी मान्यताप्राप्त स्कूल/कॉलेज में अध्यापन का दो वर्ष का अनुभव।

7. एक वरिष्ठ तकनीकी सहायक (पुनः स्थापन), नेशनल गैलरी आफ माडर्न आर्ट, नई दिल्ली, संस्कृति विभाग। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रोज़े-20-575 परिशोधित रु० 550-25-750-द० रोज़े-30-900। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता सहित रसायन विज्ञान में "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता।

8. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड I नौ विज्ञान तथा प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला, विशाखापटनम, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मिश्रित इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) अल्ट्राजल संरचना पर अनुसंधान एवं विकास या शस्त्र प्रणालियों का संरचना के रूप में विशेषज्ञता में लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

9. एक शिक्षा अधिकारी (तकनीकी), शिक्षा और स्मृति कल्याण मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-900 (परिशोधित हानि कमभावना है)। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री या विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) निम्नलिखित क्षेत्रों में से दो या दो से अधिक क्षेत्रों में लगभग 5 वर्ष का अनुभव तथा साथ में कम से कम 2 वर्ष का अध्यापन अनुभव :—(क) अध्यापन (ख) शिक्षक प्रशामन (ग) उद्योग (घ) अनुसंधान।

10. दो कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, वैज्ञानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रोज़े-35-880-40-1000-द० रोज़े-40-1200। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

11. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, वैज्ञानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रोज़े-35-880-40-1000-द० रोज़े-40-1200 (परिशोधित)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैद्युत इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

12. वैद्युत इंजीनियरी का एक आख्याता, राजकीय पाल्से टेक्निक, पणजी, गोवा, दमन व दियु सरकार। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रोज़े-35-950। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) 2 वर्ष का व्यावसायिक/अध्यापन अनुभव।

13. एक यांत्रिक इंजीनियर, लघु प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, वेहराबून, कृषि विभाग, कृषि मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रोज़े-35-950 (तृतीय वेतन आयोग की अनुसंज्ञाओं के अनुसार परिशोधित किए जाने की संभावना है)। आयु-सीमा :—35 वर्ष योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री या समकक्ष योग्यता।

14. एक विकलांग शल्य चिकित्सक, डा० एन० सी० जोशी संमोरियल अस्पताल, करौल बाग, नई दिल्ली, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)। केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा बलास। का विशेषज्ञता ग्रेड। वेतन :—रु० 600-40-1000-द० रोज़े-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50% की दर से पैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० 600/- प्रतिमास होगा। आयु सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) भारतीय मैडिकल काउंसिल विनियम, 1956, की प्रथम या द्वितीय अनुसूची में अथवा तृतीय अनुसूची के भाग में निबद्ध (लाइसेंसिएट योग्यताओं को छोड़कर) मान्य मेडिकल योग्यता। तृतीय अनुसूची के भाग II



मे निबद्ध शैक्षिक योग्यताओं से युक्त उम्मीदवारों को भारतीय मेडिकल काउंसिल अधिनियम, 1956, की धारा 13 (3) में निर्धारित शर्तों को भी पूरा करना होगा। (ii) विकलांग चिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यताएं जैसे, एम० एम० (ओर्थो०), एम० सी० एच० (ओर्थो०) (निबरपूल), एफ० आर० सी० एम० डी० ओर्थोपेडिक्स, डी० ओर्थो० एम० या समकक्ष योग्यता (iii) स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में विशेषज्ञता से संबंध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम तीन वर्ष का कार्य तथा डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में विशेषज्ञता से संबंध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम पांच वर्ष का कार्य।

15. एक विकिरण विज्ञानी, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा, बम्बई, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा ब्लास I का दिशेषज्ञता; ग्रेड। वेतन :—रु० 600-40-1000-२० रो-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० 600/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त भद-मध्या 14 (i) में है। (ii) विकिरण विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यता जैसे, एम० डी० (विकिरण विज्ञान) या विकिरण विज्ञान के विशेष विषय सहित एम० डी०/एम० आर० सी० पी०, डी० एम० आर० टी० (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम), डी० एम० आर० ई० (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम) या समकक्ष योग्यता, डी० एम० आर० ई० (एक वर्षीय पाठ्यक्रम), डी० एम० आर० एण्ड टी० (एक वर्षीय पाठ्यक्रम), डी० एम० आर० डी० (एक वर्षीय पाठ्यक्रम) या समकक्ष योग्यता। (iii) स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में विशेषज्ञता से संबंध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम 3 वर्ष का कार्य तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में विशेषज्ञता से संबंध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम 5 वर्ष का कार्य।

16. तीन यूनानी कार्य चिकित्सक (2 पुरुष तथा एक महिला) के० स० स्वा० से०, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय : वेतन :—रु० 325-24-500-30 590-२० रो०-30-800-तथा साथ में वेतन के 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो कम से कम रु० 150/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी विश्वविद्यालय या भारतीय चिकित्सा के माविधिक राज्य बोर्ड/काउंसिल/सकाय/परीक्षा निकाय से इंडियन मेडिसिन सेन्ट्रल काउंसिल एक्ट, 1970 की द्वितीय अनुसूची के भाग ii तथा तृतीय अनुसूची में मान्य यूनानी तिब्ब में डिग्री या डिप्लोमा जिसके प्रशिक्षण सूत्र की अवधि चार वर्ष या उससे अधिक हो। (ii) उक्त व्यवसाय से 5 वर्ष का अनुभव, जिसमें 2 वर्ष का अनुभव किसी मान्यताप्राप्त यूनानी अस्पताल/चिकित्सालय में हो या किसी सरकारी या सरकार द्वारा मान्य अनुसंधान संस्था में अनुसंधान सहायक के रूप में हो।

17. दो अनुवादक (रूसी/अंग्रेजी), रक्षा मंत्रालय (वायु सेना मुख्यालय)। वेतन :—रु० 650-30-740-35-880-२० रो०-40-960। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से रूसी भाषा में डिप्लोमा या उच्च प्रवीणता प्रमाण-पत्र या समकक्ष योग्यता। 5-186GI/74

(iii) रूसी पढ़ाने या रूसी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से रूसी में अनुवाद/भाषांतरण कार्य का लगभग दो वर्ष का अनुभव।

18. चार उपनिदेशक, फिल्म प्रभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-२० रो०-35-950। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी विश्वात संगठन में चलचित्र फिल्मों के उत्पादन का लगभग 3 वर्ष का अनुभव। (iii) भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा वर्तमान का ज्ञान। अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से सिनेमा (निदेशन) में डिग्री या डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता। (ii) चलचित्रों के उत्पादन का अनुभव। (iii) भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा वर्तमान घटना-क्रम का ज्ञान।

19. एक प्रोग्रामर, तकनीकी महानिदेशालय, औद्योगिक विकास मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-२० रो०-35-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी अथवा गणित/परिचालन अनुसंधान/अर्थशास्त्र/वाणिज्य (सांख्यिकी सहित) में "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। अथवा सांख्यिकी/गणित/अर्थशास्त्र के विषय के साथ किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री तथा साथ में किसी मान्यताप्राप्त संस्था से सांख्यिकी में कम से कम 2 वर्ष के प्रशिक्षण के बाद प्राप्त स्नातकोत्तर डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता। (ii) सांख्यिकीय/आंकड़ा प्रवाधन कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव जिसमें इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर पर प्रोग्रामिंग/पद्धति अभिकल्पन का लगभग 2 वर्ष का अनुभव सम्मिलित हो जो बरीयत : कोबोल (COBOL) के प्रयोग से संबंध हो।

20. एक बरिष्ठ तकनीकी सहायक (प्रदर्शनी) नेशनल आफ माडर्न आर्ट (संस्कृति विभाग)। वेतन :—रु० 550-25-750-२० रो०-30-900 (परिशोधन)। आयु-सीमा :—35 वर्ष योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से ललित कला या वाणिज्यिक कला में डिग्री या समकक्ष डिप्लोमा या कला संमालोचना या कला इतिहास में "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) संग्रहालय विज्ञान में डिप्लोमा तथा किसी प्रतिष्ठित संग्रहालय या गैलरी में 2 वर्ष का अनुभव। अथवा किसी प्रतिष्ठित संग्रहालय या गैलरी में 4 वर्ष का अनुभव।

21. एक तकनीकी अधिकारी, सुधारक सेवा का केन्द्रीय ब्यूरो, शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय (समाज कल्याण विभाग) वेतन :—रु० 550-25-750-२० रो०-30-900। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से समाज-कार्य/अपराधविज्ञान/समाजशास्त्र में "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) सुधारक सेवा के क्षेत्र में लगभग तीन वर्ष का अनुभव।

22. बीस ओवर सीयर, भारत सरकार मुख्यालय, मुख्या निदेशालय, नई दिल्ली। वेतन :—रु० 550-25-750-२० रो०-30-900। आयु-सीमा :—35 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों को.

छूट नहीं दी जाएगी। योग्यताएं अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन या समकक्ष योग्यता। (ii) (क) किसी भारतीय या विदेश स्थित मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था से मुद्रण तथा सम्बन्धी व्यवसायों में प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा। (ख) किसी सरकारी मुद्रणालय या बृहत् वाणिज्यिक मुद्रण प्रतिष्ठान में मुद्रण व्यवसाय की विभिन्न शाखाओं अर्थात् यांत्रिक आकार योजन, जिल्दसाजी तथा भांडागार, मशीन मुद्रण आदि में लगभग 3 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव ( जिसमें से लगभग एक वर्ष का अनुभव पर्यवेक्षक की हैसियत से हो) अथवा (ii) भारत सरकार के किसी मुद्रणालय में पूरे चार वर्ष की अप्रेंटिसशिप के बाद, अर्हता प्राप्त अप्रेंटिस का प्रमाण पत्र।

23. तीन ओता मतानुसंधान अधिकारी, महामिदेशालय, आकाशवाणी, नई दिल्ली। वेतन :—रु० 530-30-830-35-900 (परिशोधन होता है) आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री, जो बरीयतः समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, मानवविज्ञान या सांख्यिकी के विषय के साथ हो। (ii) सामाजिक आंकड़ों संग्रह तथा विश्लेषण का लगभग 3 वर्ष का अनुभव जिसमें जनमत संग्रह और/या समाज सेवा अनुसंधान और/या जन संचार अनुसंधान का अनुभव सम्मिलित हो।

SUPREME COURT OF INDIA  
(Administration Branch I)

New Delhi, the 15th July 1974

No. F.6/74-SCA(I).—The Honourable the Chief Justice of India has, until further orders, been pleased to appoint Shri R. Subba Rao, Assistant Registrar as officiating Deputy Registrar with effect from the forenoon of the 15th July, 1974 to 16th August, 1974 vice Shri Faqir Chand, Deputy Registrar granted leave.

The Honourable the Chief Justice of India has also, until further orders, been pleased to appoint Shri H. S. Munjal, Court Master as officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of the 15th July, 1974 to 16th August, 1974, vice Shri R. Subba Rao, Assistant Registrar.

S. K. GUPTA, Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 9th July 1974

No. A.38013/1/73-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri A. K. Dhar, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. Service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st May, 1974 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A), dated the 24th November, 1973

The 10th July 1974

No. A32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. P. Vij, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 29-5-74 to 28-8-74 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.  
Incharge of Administration.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 10th July 1974

No. 25/71/72-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/71/72-RG(Ad.I), dated 7th December 1972, the President is pleased to extend the re-employment of Shri

गृह-पत्र

सरकारी होस्टलों का एक मुख्य अधीक्षक, सम्प्रदा मिदेशालय, निर्माण और आवास संज्ञालय। संदर्भ :—4-5-1974 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 18 की मद संख्या 23। सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि यह केवल अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और इसका वेतनमान रु० 550-20-650-25-800 परिशोधित हो गया है। अन्य शर्तें पूर्ववत् हैं। आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 9-9-1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 23-9-1974) तक बढ़ा दी गई है अनुसूचित जन-जातियों के जिन उम्मीदवारों ने आयोग के पिछले विज्ञापन संख्या 18 के आधार पर पहले ही आवेदन कर लिया है उनको फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। अनुसूचित जन जातियों से भिन्न अन्य जातियों के उम्मीदवारों द्वारा भेदा किया गया शुल्क यथावधि लौटा दिया जाएगा।

अशोक चन्द्र बन्धोपाध्याय,

सचिव,

सब लोक सेवा आयोग

J. N. Zutshi as Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Jammu & Kashmir for a further period upto 19 October 1975.

R. B. CHARI, Registrar General, India,  
and ex-officio Joint Secy.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 1st June 1974

No. 4/63/73-Ests(CRPF).—Consequent on his suspension from Govt. service, Shri Lashkar Singh has handed over charge of the post of DY. SP (Coy. Comdr.) 54th Bn CRPF on the afternoon of 28th Jan. 1974.

II

Consequent on his suspension from Govt. service, Shri Deep Kumar has handed over charge of the post of DY. SP (Coy. Comdr.) 47th Bn CRPF on the forenoon of 10th Feb. 1974

The 3rd June 1974

No. O.II-929/73-Ests.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. Prasant Kumar Mohanty, relinquished charge of the post of the Junior Medical Officer, 38th Bn CRPF on the afternoon of the 27th April, 1974.

The 6th June 1974

No. F.3/1/74-Ests(CRPF).—The President is pleased to appoint Shri N. Ramachandran, DY. SP (Coy. Comdr./Quarter Master) on promotion on ad-hoc basis as Assistant Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. Consequent on his promotion on ad-hoc basis Shri N. Ramachandran took over charge of Asstt. Commandant GC, CRPF, Rampur on the forenoon of 15-5-74.

The 15th June 1975

No. O.II-942/73-Estt.—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Debaranjan Mishra, as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the date of taking over.

2. Dr. Debaranjan Mishra is posted to 46th Bn, CRPF, Rampur and he took over charge of his post on the forenoon of 4th May, 1974.

No. O.II-900/73-Estt.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Bishnu Charan Ray relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, 32nd Bn CRPF on the forenoon of 27th May, 1974.

S. N. MATHUR, Asstt. Dir. (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
(India Security Press)  
Nasik Road, the 9th July 1974

No. 1932/A.—Dr. (Mrs.) A. C. Awalgaukar, M.B.B.S. Junior Medical Officer, India Security Press Hospital, Nasik Road appointed on ad-hoc basis initially for three months with effect from 20-11-1969 and last extended upto 30th June, 1974 vide Notification No 4923/(A), dated the 14th January 1974, will continue as such on the same terms and conditions upto 31st December, 1974 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier

V. J. JOSHI, General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR  
GENERAL OF INDIA

New Delhi-1, the 12th July 1974

No. 629-CAI/8-72.—Consequent upon his permanent absorption in the Fertilizer Corporation of India Limited, the Additional Deputy Comptroller and Auditor General of India (Commercial) has been pleased to accept the resignation of

Shri A. Sitarama Rao, a permanent Audit Officer (Commercial), with effect from 17-6-1974 (FN) from Government service

S. D. BHATTACHARYA, Dy. Dir. (Commercial)

OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi, the 6th July 1974

No. Admn.1/5-5/Promotion/74-75/800.—The Accountant General Central Revenues, has appointed Shri P. C. Gupta, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Acc's. Officer in the time scale of Rs. 840—1200, with effect from 12-6-74 FN, until further orders.

H S DUGGAL, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
RAJASTHAN

Jaipur, the 12th July 1974

No. OE.II/G-AH.—The following Section Officers of the Office of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur are appointed as Officiating Accounts Officers until further orders from the dates noted against each :—

1. Shri Abdul Halim—18-6-74 (A.N.)
2. Sirch Mal Jain—18-6-74 (A.N.)

BALDEV RAI Sr. Dy. Accountant Genl.  
(Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 11th July 1974

No. 40011 (2), 74-AN-4.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation :—

Sl. No.	Name with Roster number	Grade	Date from which transferred to pension establishment.	Organisation
Sarvashri				
1. BMT Handa (P/22)		Permanent Accounts Officer	31-12-74 (AN)	Controller of Defence Accounts (AIR FORCE) DEHRADUN
2. KN Janakiraman, (P/310)		Permanent Accounts Officer	30-11-74 (AN)	Do.
3. CP Sharma (P/436)		Permanent Accounts Officer	31-12-74 (AN)	Do.
4. CL Sachar (P/445)		Permanent Accounts Officer	31-12-74 (AN)	Do.
5. KS Sankaranarayanan (P/629)		Permanent Accounts Officer	30-11-74 (AN)	Do.

S. K. SUNDARAM,  
Additional Controller General of Defence  
Accounts (AN).

AMMUNITION DEPOT  
Dehu Siding, the 11th July 1974

No. 6530/VIII/775/HQ.—The undermentioned officer retired from service wef the date shown against his name :—

OOC (Stores) Shri N. L. Thakur—Permanent, Ammunition Depot, Dehu Siding—Retired from service wef 1st June 1974 (F/N).

H. S. AHLUWALIA, Major,  
Offg. Chief Ordnance Officer.

MINISTRY OF LABOUR  
(LABOUR BUREAU)

Simla, the 1974

No. 23/3/74-CPL.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960 = 100 advanced by seven points to reach 301 (Three hundred and one) during the month of June, 1974. Converted to base 1949 = 100, Index for the month of June, 1974 works out to 366 (Three hundred and sixty six).

S. SOMASUNDARAM IYER  
Deputy Director

## COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 8th July 1974

No. Admn. 13(96)Genl/74.—Consequent upon selection for appointment under ESIC at Delhi, Dr. (Miss) Meera Hajela, Junior Medical Officer (ad-hoc), Central Hospital, Dhanbad under Coal Mines Labour Welfare Organisation relinquished charge on the afternoon of 7th June, 1974.

R. P. SINHA, Coal Mines Welfare Commissioner

## MINISTRY OF AGRICULTURE

## (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

Directorate of Plant Protection, Quarantine &amp; Storage

Faridabad, the 10th June 1974

No. F.17-85/72-Adm.III.—In pursuance of sub-rule (i) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rule, 1965 and the Central Civil Services (Temporary Services) Amendment Rules 1971, I hereby give notice to Shri Ram Avtar Sharma, a temporary Chowkidar in the subordinate office of the Directorate of Plant Protection, Quarantine & Storage that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which the notice is served on or, as the case may be, tendered to him.

The 11th June 1974

No. F.17-4/73-Adm.III.—In pursuance of sub-rule (i) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965 and the Central Civil Services (Temporary Services) Amendment Rules, 1971, I hereby give notice to Shri S. P. Waydande, a temporary Chowkidar in the subordinate office of the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which the notice is served on or, as the case may be, tendered to him.

B. L. MANIHAR, Chief Admn. Officer

(Department of Community Development &amp; Cooperation)

Directorate of Marketing and Inspection

Faridabad, the 16th July 1974

No. F.4-6(11)/74-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri G. K. Pallan, has been appointed as Assistant Marketing Officer, Group II, on officiating basis, in the Directorate of Marketing and Inspection, at New Delhi, with effect from 5-6-74 (forenoon), until further orders.

No. F.4-5(17)/74-A.I.—On the recommendations of U.P.S.C Shri Karam Pal Singh Bhatti has been appointed to officiate as Marketing Development Officer (Cold Storage) at Nagpur w.e.f. the afternoon of 31st of May, 1974, until further orders.

No. F.4-4(5)/74-A.I.—Shri R. N. Mehrotra, Marketing Officer, Group I, Faridabad, is appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer, Group I, on a purely temporary and ad-hoc basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Patna with effect from the forenoon of 25-6-74, until further orders.

No. F.4-5(4)/74-A.I.—Shri S. R. Patel, Marketing Officer, Group I has been appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer, Group I on ad hoc basis in this Directorate at Ahmedabad w.e.f. 7-6-74 (F.N.) until further orders.

No. F.4-5(18)/74-A.I.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri Ramesh Lal Grover has been appointed to officiate as Marketing Development Officer (Cold Storage) in the Directorate of Marketing and Inspection at Lucknow with effect from the forenoon of 23rd April, 1974, until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO,

Agricultural Marketing Adviser

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th July 1974

No. 6-18/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Kali Charan Shandilya, Office Superintendent, Central Research Institute, Kasauli to the post of Stores Officer at the same Institute, on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 30th May 1974, and until further orders.

No. 20-22/73-SI.—The President is pleased to appoint Dr. Ashit Ranjan Roy as Assistant Director (Pharmacology) in the Biological Laboratory & Animal House, Govt. Medical Store Depot, Madras, with effect from the forenoon of the 7th May, 1974 and until further orders.

No. 11-3/74-Admn.I(B).—The President is pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. for the following periods:—

- (i) From the forenoon of the 1st March, 1974 to the afternoon of the 19th March, 1974;
- (ii) From the forenoon of the 21st March, 1974 to the afternoon of 31st May, 1974.

The President is also pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, as Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services for the above periods.

The 16th July 1974

No. 11-3/74-Admn.I(C).—The President is pleased to appoint Shri K. C. Misra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. for the period from the forenoon of 1st May, 1974 to the afternoon of 31st May, 1974.

The President is also pleased to appoint Shri K. C. Misra, as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above period.

S. P. JINDAL, Dy. Dir Administration

New Delhi-11, the 15th July 1974

No. 41-82/73-D.—The Director General of Health Services appoints Shri Inderjit Sehgal as Drugs Inspector in the North Zone, Office of the Central Drugs Standard Control Orgn., of the Directorate General of Health Services at Ghaziabad in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of 2nd July, 1974 and until further orders.

P. S. RAMACHANDRAN, Drugs Controller (India)  
for Director General of Health Services

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(Personnel Division)

Bombay-400095, the 9th July 1974

No S/727/DRP/Estt.III.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, regrets to announce the death of Shri Inderjit Sharma, Scientific Officer/Engineer Grade SB, BARC, on 22-6-1974.

C. J. JOSEPH, Dy. Establishment Officer

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

(INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 15th July 1974

No E(1)05941.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. D. Arya, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th May 1974 and until further orders.

Shri A. D. Arya, Offg. Assistant Meteorologist has been posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi

No E(1)05501.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. V. Singh, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th May, 1974 and until further orders.

Shri B. V. Singh, Offg. Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi

No. E(1)04248.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. R. Nayar, Professional Assistant, Office of the Director, Instruments, Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 17th June, 1974 and until further orders.

Shri P. R. Nayar, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of Director, Instruments, Poona.

No. E(1)06523.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Hamid Ali, Professional Assistant, Meteorological Centre, Srinagar under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the 15th May, 1974 and until further orders.

Shri Hamid Ali, Officiating Assistant Meteorologist has been posted in the office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

NOOTAN DAS, Meteorologist,

for Director General of Observatories

## COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Kanpur, the 25th June 1974

No. 62/74.—Sri Krishna Kumar Soni, officiating Administrative Officer, in the office of the Assistant Collector, Central Excise, Meerut made over charge of his duties to Sri Nandhey Narain Mathur, Superintendent (Gold) posted in the same office in the afternoon of 31-5-74 and retired from service due to attaining the age of superannuation.

K. S. DILIPSINGHJI, Collector

## CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION

(WATER WING)

New Delhi-22, the 12th July 1974

No A-12017/1/72-Adm V(Vol. II).—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/72-Adm.V, dated the 11th February, 1974, the Chairman, Central Water & Power Commission, hereby appoints the following Research Assistants to the grade of Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period upto 30-9-1974 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier —

1. Shri H. C. Ganesh Rao
2. Shri Ch. Bhuianga Rao
3. Shri K. A. Ismail.
4. Shri V. K. Balakrishna.
5. Shri D. M. Khambete.
6. Shri A. G. Phansalkar.

K. P. B. MENON, Under Secy  
for Chairman, C. W. & P. Commission.

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Bombay, the 28th June 1974

No 132.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the Section 117 of the Act, 1961 (Act 43 of 1961), J. Shri O. V. Kuruvilla, Commissioner of Income Tax, Bombay City-I, Bombay, have appointed the undermentioned Inspectors of Income Tax to officiate as Income Tax Officers, Class II with effect from the date shown against their names and until further orders.

1. Shri J. J. Gonsalves, Inspector, C1 Ward, Bombay—7-5-74/FN.
2. Shri A. K. Dhamankar, Inspector, I.A.C. Adm. — Range, Bombay—7-5-74/FN.
3. Shri K. L. Chamrani, Inspector, Hundi Circle, Bombay—24-6-74/FN.

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad.V, dated 25-4-64 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary, be extended beyond the above period. Their confirmation and/or retention in the post will depend upon successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to termination at any time without notice

O. V. KURUVILLA, Commissioner  
of Income-Tax, Bombay City-I.

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd July 1974

In the notice U/s 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bearing No. IAC/ACQ.I/SR-I/Aug.1/330(143)/73-74/7309, dated 7th February, 1974, published in Part-III, Section I, of Gazette of India issue dated 16th February, 1974 at page No. 855, the name of the transferee has been wrongly mentioned as 'M/s. Uttam Singh Duggal & Sons Private Ltd., III/3627, Mori Gate, through Shri Om Parkash, Managing Director. This may be read as under:—

M/s. Uttam Singh & Sons Private Ltd., III/3627, Mori Gate, Delhi through Shri Om Parkash, Managing Director

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-953/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 4698 of November, 1973 situated at Near S.S.D. Girls School, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Bipan Chander Pal s/o Shri Lal Chand, s/o Shri Roldu Ram, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Walanti Ram s/o Shri Munshi Ram s/o Shri Shankar Dass, Sheela Devi w/o Chiranji Lal, Dhabwah.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

Person(s) in occupation of the Property).

- (4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4698 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 29th May 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-954/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 4642 of November, 1973 situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sada Kaur mother of S. Kartar Singh, Bhatinda Present Samana. (Transferor)

- (2) Shri Hazoor Singh, s/o S. Bakhtawar Singh, Brij Lal, Inder Jeet s/o Shri Mashi Ram, Bhatinda. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4642 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhatinda

D. S. GUPTA.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range.  
Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref No ASR/BTD/AP-955/74-75—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No 4581 of November, 1973 situated at Bibiwal Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhatinda in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shri Jalor Singh s/o S. Kartar Singh self and G. A. Punjab Kaur Wd/o S. Kartar Singh & Binder Singh, Bhatinda (Transferor)
- (2) Shri Banta Ram, Om Prakash, Tipar Chand, Smt Bhagwanti c/o M/s Atma Ram Suresh Kumar, Old Saita Br. Bhatinda. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned know to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objection(s).

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4581 of November 1973 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range  
Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :



## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-956/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 4582 of November, 1973 situated at Bibiwal Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhatinda in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jalor Singh s/o S. Kartar Singh self and G. A. Punjab Kaur Wd/o S. Kartar Singh & Binder Singh, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Banta Ram, Om Prakash, Tiper Chand, Smt. Bhagwanti c/o M/s Atma Ram Suresh Kumar, Old Satta Br. Bhatinda. (Transferee)

6—186 GI/74

- (3) As at S. No. 2 above.  
Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4582 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner,  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-957/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the registered Deed No. 4583 of November, 1973 situated at Bibiwala Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhatinda in November 1973, apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jalor Singh s/o S. Kartar Singh self and G. At Punjab Kaur Wd/o S. Kartar Singh & Binder Singh Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Banta Ram, Om Parkash, Tiper Chand, Smt. Bhagwanti c/o M/s Atma Ram Suresh Kumar, Old Satta Br. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4583 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range  
Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-958/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 4584 of November, 1973 situated at Bibiwala Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jalor Singh s/o S. Kartar Singh self and G. A. Punjab Kaur Wd/o S. Kartar Singh & Binder Singh, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Banta Ram, Om Prakash, Tiper Chand, & Smt. Bhagwanti c/o M/s Atma Ram Suresh Kumar, Old Satta Br. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4584 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date: 29th May 1974.

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-961/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 7066 of November, 1973 situated at V. Mahal Subedar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Naunihal Singh c/o M/s Universal Land & Finance Co (P) Ltd., Dilkusha Market, Jullundur.  
(Transferor)

(2) S/Shri Avtar Singh, Guimej Singh, Sohan Singh, Gurmit Singh Sarup Singh Surinder Singh SS/o Shri Teja Singh V Dhasian Kulan Teh, Phillaur.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7066 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-962/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 7075 of November, 1973 situated at Civil Lines, Jullundur,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in November, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arjan Singh s/o S. Kahan Singh Opp : EH-98 Civil Lines, Jullundur. (Transferor)
- (2) S/Shri Pritam Singh, Chanan Singh, SS/o Kahan Singh, Africawala, EH-198, Civil Lines, Jullundur. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

Person(s) in occupation of the Property).

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 7075 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-963/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 7161 of November, 1973 situated at V. Mahal Subedar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person, namely :—

- (1) Shri Nauniyal Singh s/o Shri Gopal Singh c/o M/s Universal Finance (P) Ltd., Dilkhusha Market, Jullundur. (Transferor)

- (2) Smt. Gurbakshish Kaur w/o Lt. Col. Gurbaksh Singh, Shri Teja Singh s/o Shri Gurbachan Singh, V. Dhusian Kalan, Teh. Phillaur. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

Person(s) in occupation of the Property).

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning and given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7161 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASH/BTD/AP-960/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 4572 of November, 1973 situated at V. Abloo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurnam Singh s/o S. Kishan Singh G. A. Kartar Kaur R/o V. Abloo. (Transferor)
- (2) Shri Teja Singh, Geja Singh SS/o Tota Singh. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4572 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range.  
Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/NDR/AP-965/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1990 of November, 1973 situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nakodar in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 209 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balsarup s/o Shri Dhirt Ram, Mohalla Dharni, Nakodar. (Transferor)

(2) Shri Atajan Singh Lachhman Singh, SS/o Shri Partap Singh, V Lidhran. (Transferee).

(3) As at S. No. 2 above.

Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1990 of November, 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range.  
Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No. AST/BTD/AP-952/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 4769 of November, 1973 situated at Gill Patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Banta Singh s/o Shri Nanda Singh s/o Bodh Singh V. Gill Patti Teh. Bhatinda. (Transferor)

- (2) Shri Gurdev Singh, Sukhdev Singh s/o Shri Bakshish Singh V. Gill Patti Teh. Bhatinda. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
Person(s) in occupation of the Property).

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4769 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhatinda,

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date: 28th May 1974.

Seal;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/NDR/AP-967/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2003 of November, 1973 situated at Noormahal Road, Nakodar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nakodar in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Pirthi Dass Jain, s/o Shri Gurditta Mal s/o Shri Jeewan Mal, Nakodar. (Transferor)

(2) Smt. Kashmir Kaur w/o Shri Ajit Singh s/o Harbhajan Singh, Prop. Onkar Cinema, Nakodar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2003 of November, 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 29th May 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/Phl/AP-968/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3428 of November, 1973 situated at Dhani Pind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phillaur in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Sohan Singh, Mohan Singh, Sadhu Singh Gurnam Singh SS/o S. Natha Singh V. Dadowal Smt. Kishan Kaur Wd/o S. Natha Singh V. Dadowal. (Transferor)

(2) Shri Parmjit Singh s/o S. Joginder Singh s/o S. Labh Singh V. Dhani Pind c/o S. Jagat Singh s/o S. Sunder Singh, R/o Vill. Reru. Teh. Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3428 of November, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : the 29th May 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/PHL/AP-969/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3230 of November, 1973 situated at Rurka Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Labh Singh s/o S. Jeon Singh s/o Shri Sahib Dayal, R/o Rurka Kalan. (Transferor)
- (2) Shri Piara Singh s/o S. Parkash Singh s/o S. Labh Singh R/o Rurka Kalan. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3230 of November, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range  
Amritsar

Date: the 29th May 1974

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/PHL/AP-970/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3237 of November, 1973 situated at V. Machiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in November 1973, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri Rajinder Singh s/o Shri Gurjan Singh R/o Jandiala Teh, Phillaur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3237 of November, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner,  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : the 29th May 1974

Seal :

(1) Shri Narain Singh s/o Shri Sunder Singh R/o Kanguiwala Teh, Phillaur. (Transferor)

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/Phl/AP-971/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3238 of November, 1973 situated at V. Machiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Phillaur in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narain Singh s/o Shri Sunder Singh R/o V. Kangniwala Teh. Phillaur. (Transferor)

- (2) Shri Gurdev Singh s/o S. Gurdan Singh, R/o Jandiala Teh. Phillaur. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3238 of November, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date: the 29th May 1974

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/PHL/AP-972/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3275 of November, 1973 situated at Goraya (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phillaur in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdial Singh s/o Shri Kabal Singh, Goraya.  
(Transferor)

- (2) Shri Gulzara Ram s/o Shri Chanan Ram V. Jand Teh, Phillaur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3275 of November, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : the 29th May 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER

OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-973/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3122 of November, 1973 situated at Mukandpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S. Kuldip Singh s/o S. Amar Singh R/o Mukandpur, (Transferor)
- (2) Shri Devi Ram s/o Shri Minu Ram R/o Mukandpur, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
Person(s) in occupation of the Property).

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3122 of November, 1973 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 29th May 1974

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-974/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3134 of November, 1973 situated at V. Mukandpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devi Ram s/o Shri Minoo Ram & Gen. Attorney Shri Chandu Ram s/o Shri Budh Ram R/o V. Mukandpur. (Transferor)

8—186GI/74

- (2) Shri Krishan Lal s/o Shri Kidar Nath, Cloth Merchant, Railway Road, Nawan Shehar. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
Person(s) in occupation of the Property).

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3134 of November, 1973 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : the 29th May 1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-975/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3133 of November, 1973 situated at V. Mukandpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nawan Shehar in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devi Ram s/o Shri Minoo Ram & Gen. Attorney Shri Chandu Ram s/o Shri Budh Ram R/o V. Mukandpur. (Transferor)

(2) Smt. Prem Lata w/o Shri Krishan Lal s/o Shri Kldar Nath c/o Shri Krishan Lal, Cloth Merchant, Railway Road, Nawan Shehar. (Transferee).

(3) As at S. No. 2 above.  
Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3133 of November, 1973 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : the 29th May 1974

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-976/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2993 of November, 1973 situated at Railway Road, Banga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nawan Shehar in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dogal Ram s/o Shri Lalji Ram s/o Shri Swarn Ram, Banga. (Transferor)
- (2) Shri Ram Sarup, Manohar Lal, Sham Sunder, Parmod Kumar s/o Shri Kharaiti Ram s/o Shri Bishan Dass c/o M/s Ram Parkash Khiraiti Ram, Cement Stockists, Railway Road, Banga. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person's in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interest in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2993 of November, 1973 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : the 29th May 1974

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-959/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 4563 of November, 1973 situated at V. Abloo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Gurnam Singh s/o S. Kishan Singh R/o Abloo Kothi Phulewala. (Transferor)
- (2) Shri Teja Singh, Meja Singh, Tota Singh SS/o Shri Vir Singh, Pargat Singh, Balwant Singh, Gurjant Singh SS/o S. Ram Singh R/o V. Abloo & Gurdev Singh s/o S. Chand Singh R/o Sibia. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
Person(s) in occupation of the Property

- (4) Any person interested in the property.  
Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4563 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/NDR/AP-964/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1989 of November, 1973 situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balsarup s/o Shri Dhirt Ram, Mohalla Dharni, Nakodar. (Transferor)

- (2) Shri Gulzar Singh, Darshan Singh SS/Shri Partap Singh, V. Lidhran. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1989 of November, 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA.  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range.  
Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/NDR/AP-966/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1869 of November, 1973 situated at V. Bajuha Kalan (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in November 1973,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Kartar Singh s/o Shri Arjan Singh R/o Bajuha Khurd Teh. Nakodar. (Transferor)

(2) Shri Pritam Singh s/o Bugha Singh V. Chak Sandal. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1869 of November, 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 29th May 1974

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## Advertisement No. 32

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well-qualified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 × 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and bona-fide displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personnel interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 9th September, 1974 (23rd September, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

Post at S. No. 12 permanent. Posts at S. Nos. 6, 9 and one post at S. No. 18 permanent but appointment on temporary basis. Post at S. No. 4 permanent but appointment in a lien vacancy. Posts at S. No. 2, 3, 5, 8, 10, 11, 15, 16, 17, 19, 20, 22 and 23 temporary but likely to continue indefinitely. Posts at S. No. 1 temporary but likely to continue on long term basis. Post at S. No. 7 temporary but likely to be retained on regular basis. Post at S. No. 14 temporary but likely to continue. Post at S. No. 13, 3 posts at S. No. 18 and post at S. No. 21 temporary.

One post at S. No. 5 reserved for Scheduled Castes candidates but to be treated as unreserved if no suitable Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidate is available. One post at S. No. 16 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved. One post at S. No. 17 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates. One post at S. No. 18, 6 posts at S. No. 22 and one post at S. No. 23 reserved for Scheduled Castes candidates, who alone need apply. Posts at S. Nos. 7 and 9 and 3 posts at S. No. 22 reserved for Scheduled Tribes candidates who alone need apply.

1. Two (Including one Anticipated) Additional Legal Advisers Department of Legal Affairs, Ministry of Law, Justice & Company Affairs.—Pay: Rs. 1600—100—2000. Qualifications: Essential: Should have been a Member of a State Judicial Service for a period of not less than 13 years. OR Should have held a superior post in the Legal Department of a State for a period of not less than 13 years. OR Should be a Central Government servant who has had experience in legal affairs for not less than 13 years.

2. Three Instructors. Chinese Language. A.E.C. Training College and Centre, Pachmarhi, Ministry of Defence.—Pay: Rs. 1300—60—1600. Age Limit: 45 years. Qualifications: Essential: (i) Degree of a recognised University or equivalent (ii) Degree in Chinese Language of a recognised University/Institution or equivalent and at least five years teaching experience of Chinese Language OR Diploma in Chinese Language of recognised University/Institution or equivalent and at least 7 years teaching experience of Chinese Language (iii) Diploma in Interpretship in Chinese Language with knowledge of at least 7000 characters.

3. One Principal Scientific Officer, Naval Physical & Oceanographic Laboratory Cochin, Ministry of Defence.—Pay: Rs. 1100—50—1200—100—1500. Age Limit: Preferably below 45 years. Qualifications: Essential: (i) At least 2nd Class Master's degree in Physics with specialisation in acoustics/ultrasonics. (ii) About 6 years' experience in acoustics/ultrasonics of which 3 years must be in a responsible administrative capacity.

4. One Plant Protection Officer (Entomology), Ministry of Agriculture (Department of Agriculture), Directorate of Plant Protection, Quarantine & Storage.—Pay: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Age Limit: 30 years. Qualifications: Essential: (i) M.Sc. degree in Zoology or Agricultural Zoology or a B.Sc. Degree in Agriculture from a recognised University or equivalent (ii) About 2 years' experience in the case of M.Sc. degree holders and about 5 years' experience in the case of Bachelor's degree holders in Plant Protection work, pesticides, Plant Protection machines and their uses pre-graphic Laboratory, Cochin, Ministry of Defence.—Pay: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Age Limit: 30 years. Qualifications: Essential: (i) A degree in Veterinary Science of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience in the field of Marketing of Livestock & Livestock products including cooperative Marketing.

5. Two Marketing Officers (Group II), Directorate of Marketing & Inspection.—Pay: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Age Limit: 35 years. Qualifications: Essential: (i) A degree in Veterinary Science of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience in the field of Marketing of Livestock & Livestock products including cooperative Marketing.

6. One Master in Geography at Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun, Ministry of Defence.—Pay: Rs. 325—15—475—EB—25—500—30—680. (under revision). Age Limit: 35 years. Qualifications: Essential: (i) At least Second Class Master's degree in Geography of a recognised University or equivalent (ii) Degree or Diploma in teaching or two years experience in a recognised School/College.

7. One Senior Technical Assistant (Restoration), National Gallery of Modern Art New Delhi, Department of Culture.—Pay: Rs. 325—15—475—EB—20—575—Revised Rs. 550—25—750—EB—30—900. Age Limit: 40 years. Qualification: Essential: Master's Degree in Chemistry of a recognised University or equivalent with specialisation in Analytical Chemistry.

8. One Senior Scientific Officer, Grade I, Naval Science and Technological Laboratory, Vlsakhapatnam, Ministry of Defence.—Pay: Rs. 700—50—1250. Age: Preferably below 40 years. Qualifications: Essential: (i) At least Second Class Degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 4 years' experience in Research and Development work on underwater structures or vibration analysis of structures of weapon systems.

9. One Education Officer (Technical), Ministry of Education & Social Welfare.—Pay: Rs. 700—40—900 (Likely to be revised). Age Limit: 40 years. Qualifications: Essential: (i) Second Class Degree in Engineering or Technology or Second Class Master's Degree in Science of a recognised University or equivalent (ii) About 5 years' experience in two or more of the following fields with a minimum of 2 years' experience of teaching:—(a) Teaching (b) Educational administration (c) Industry (d) Research.

10. Two Junior Scientific Officers, Aeronautical Development Establishment, Bangalore, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.—Pay: Rs. 650—30—740—35—810—EB—30—880—40—1000—EB—1200. Age: Preferably below 30 years. Qualifications: Essential: At least Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent.

11. One Junior Scientific Officer, Aeronautical Development Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.—Pay: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised Age: Preferably below 30 years). Qualifications: Essential: At least Second Class Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent.

12. One Lecturer in Electrical Engineering, Government Polytechnic Panaji Government of Goa, Daman & Diu.—Pay: Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit: 40 years. Qualifications: Essential: (i) At

least Second Class Degree in Electrical Engineering of a recognised University/Institution or equivalent. (ii) 2 years' professional teaching experience.

13. *One Mechanical Engineer, Logging Training Centres Project, Dehra Dun, Department of Agriculture, Ministry of Agriculture.*—Pay: Rs. 400—400—450—30—600—35 670—EB—35—950 (Likely to be revised on the recommendations of the Third Pay Commission). *Age Limit:* 35 years. *Qualifications:* *Essential:* Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent.

14. *One Orthopaedic Surgeon, Dr. N. C. Joshi Memorial Hospital, Karol Bagh, New Delhi, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health). Specialist's Grade of the Central Health Service, Class I.*—Pay: Rs 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. *Age Limit:* 45 years. *Qualifications:* *Essential:* (i) A recognised medical qualification included in the First or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule (other than licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956. Holders of educational qualifications included in Part II of the Third Schedule should also fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Indian Medical Council Act, 1956. (ii) Post-graduate qualifications in Orthopaedics, e.g. M.S. (Ortho.), MCH (Ortho) Liverpool), F.R.C.S., D. Orthopaedics, D. Orth. S. or equivalent. (iii) At least three years' work in a responsible position connected with the speciality in case of post-graduate degree holders and at least five years work in a responsible position connected with the speciality in case of diploma holders.

15. *One Radiologist, Central Government Health Scheme, Bombay, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health). Specialist Grade of the Central Health Service Class I.*—Pay: Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. *Age Limit:* 45 years. *Qualifications:* *Essential:* (i) Same as (i) in item 14 above. (ii) Post-graduate qualification in Radiology e.g., M.D. (Radiology) or M.D./M.R.C.P. with Radiology as special subject. DMRT (2 years' course), DMRF (2 years' course) or equivalent; DMRE (one year course), D.M.R. & T. (one year course), DMRD (one year course) or equivalent. (iii) At least 3 years' work in a responsible position connected with the speciality in case of post-graduate degree holders and at least 5 years' work in a responsible position connected with the speciality in case of post-graduate diploma holders.

16. *Three Unani Physicians (2 Male and 1 Female), C.G.H.S. Directorate General of Health Services, Ministry of Health and Family Planning.*—Pay: Rs 325—25—500—30—590—EB—30—800 plus N.P.A. @ 25% of pay subject to a minimum of Rs 150/- p.m. *Age Limit:* 35 years. *Qualifications:* *Essential:* (i) Degree or Diploma in Unani Tibb from a University or a Statutory State Board/Council/Faculty/Examining Body in Indian Medicine recognised in Part II of the Second Schedule and in the Third Schedule of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 duration of the training course being four years and above (ii) 5 years' experience in the profession including 2 years' experience in a recognised Unani Hospital/Dispensary, or as a Research Assistant in a Government or Government sponsored research institution.

17. *Two Translators (Russian/English), Ministry of Defence (AIR Headquarters).*—Pay: Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 *Age Limit:* 45 years. *Qualifications:* *Essential:* (i) Degree of a recognised University or equivalent (ii) Diploma or high proficiency certificate in Russian language from a recognised Institute or equivalent. (iii) About two years' experience of teaching Russian or translation/interpretation work from Russian into English and vice-versa

18. *Four Deputy Directors, Films Division, Ministry of Information and Broadcasting.*—Pay: Rs 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. *Age Limit:* 40 years. *Qualifications:* *Essential:* (i) Degree of a recognised University or equivalent (ii) About 3 years' experience of pro-

duction of motion picture films in a reputed organisation, (iii) Knowledge of Indian History, Culture and current Affairs. *OR* (i) Degree or Diploma in Cinema (Direction) from a recognised University/Institute or equivalent, (ii) Experience of production of motion pictures, (iii) Knowledge of Indian History, Culture and Current affairs.

19. *One Programmer, Directorate General of Technical Development, Ministry of Industrial Development.*—Pay: Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. *Age Limit:* 35 years. *Qualifications:* *Essential:* (i) Master's degree in Statistics or Mathematics/Operational Research/Economics/Commerce (with Statistics) of a recognised University or equivalent. *OR* Degree of a recognised University with Statistics/Mathematics/Economics as a subject and a post-graduate diploma in Statistics awarded after at least 2 years training in a recognised Institution or equivalent (ii) About 3 years' experience of Statistical/Data Processing work including about 2 years experience in Programming/Systems Design on an electronic computer preferably using COBOL.

20. *One Senior Technical Assistant (Exhibition), National Gallery of Modern Art (Department of Culture).*—Pay: Rs. 550—25—750—EB—30—900 (Revised). *Age Limit:*—35 years. *Qualifications—Essential:*—(i) Degree or equivalent diploma in Fine Arts or Commercial Art or Master's degree in Art History or Art Criticism from a recognised University or equivalent (ii) Diploma in Museology and 2 years' experience in a museum or Gallery of standing. *OR* 4 years' experience in a Museum or Gallery of standing.

21. *One Technical Officer, Central Bureau of Correctional Services, Ministry of Education and Social Welfare (Department of Social Welfare).* Pay.—Rs 550—25—750—EB—30—900. *Age Limit:*—30 years. *Qualifications:*—*Essential:*—(i) Master's degree in Social work/Criminology/Sociology from a recognised University or equivalent. (ii) About three years' experience in the field of Correctional Services.

22. *Twenty Overseers, Government of India Presses, Directorate of Printing, New Delhi.* Pay.—Rs. 550—25—750—EB—30—900. *Age Limit:*—35 years. Not relaxable for Government servants. *Qualifications:*—*Essential:*—(i) Matriculation of a recognised University or equivalent. (ii) (a) Certificate or Diploma in Printing and Allied Trades from a recognised Technical Institution in India or abroad. (b) About 3 years' practical experience (of which about one year should be in a supervisory capacity) in a Government press or big Commercial printing concern, in various branches of printing trade, e.g. mechanical composition, bindery and warehouse machine printing etc. *OR* Certificate as a qualified Apprentice after full four years apprenticeship in a Government of India Press.

23. *Three Audience Research Officers, Directorate General, All India Radio, New Delhi.* Pay.—Rs. 530—30—830—35—900 (subject to revision). *Age Limit:*—40 years. *Qualifications:*—*Essential:*—(i) At least a Second Class Degree of a recognised University, preferably with Sociology, Psychology Economics, Anthropology or Statistics as a subject (ii) About 3 years experience of collection and analysis of social Statistics including public opinion polls and/or social service research/or mass communication research.

#### CORRIGENDUM

*One Chief Superintendent of Government Hostels, Directorate of Estates Ministry of Works and Housing.* Reference item 23 of Commission's Advertisement No. 18 published on 4-5-1974. It is notified for general information that the post is exclusively reserved for Scheduled Tribes candidates and the pay scale revised to Rs. 550—20—650—25—800. Other conditions remain unchanged. Closing date for receipt of applications extended to 9-9-1974 (23-9-1974 for candidates from abroad and for those in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). The Scheduled Tribes candidates who have already applied in response to Commission's earlier advertisement No. 18 need not apply again. The fee paid by the candidates other than Scheduled Tribes will be refunded in due course.

A. C. BANDYOPADHYAY,  
Secretary.

Union Public Service Commission